



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

फ्रैद  
26/2/99

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 94 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 19, 1999/माघ 30, 1920

No. 94]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 19, 1999/MAGHA 30, 1920

संचार मंत्रालय

(दूरसंचार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1999

सा. क्रा. नि. 123 (अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और संचार मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 260 (अ), तारीख 28 जनवरी, 1998 को अधिक्रांत करते हुए, भारतीय तार नियम, 1951 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय तार (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रकृत होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 में, नियम 419 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“419क (1) भारतीय तार अधिनियम, 1885 (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 5 की उपधारा (2) के अधीन किसी मंदेश या मंदेशों के बारे को अंतर्रूढ़ करने के लिए निदेश, भारत सरकार की दशा में, गृह मंत्रालय में भारत सरकार के मन्त्रिय और किसी राज्य सरकार की दशा में गृह विभाग के भार साधक राज्य सरकार के मन्त्रिव द्वारा किए गए, किसी आदेश के सिवाय जारी नहीं किये जाएंगे। आपातिक दशाओं में ऐसे आदेश भारत सरकार के किसी मंगुटा मन्त्रिय से अन्यून के रूप के किसी अधिकारी द्वारा जिसे मन्त्र के गृह मन्त्रिव द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत किया गया है या, श्वास्थ्य, राज्य के गृह मन्त्रिव द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत किया गया है, जारी किए जा सकते हैं। ऐसे आदेश में ऐसे निदेश के कारण

अंतर्विष्ट होगी । ऐसे आदेश की एक प्रति सात दिन की अवधि के भीतर संबंधित पुनर्विलोकन तमिति को अग्रेशित की जास्ती :

परन्तु यह कि आपातिक दशाओं में,-

॥१॥ दूरस्थ भेत्रों में, जहाँ संदेशों या तंदेशों के वर्ग को अंतर्लङ्घ करने के लिए पूर्व निदेश अभिप्राप्त करना साध्य न हो ; या

॥२॥ प्रथालनात्मक कारणों के लिए, जहाँ संदेशों या तंदेशों के वर्ग को अंतर्लङ्घ करने के लिए पूर्व निदेश अभिप्राप्त करना साध्य न हो;

वहाँ संबद्ध अधिकारी 15 दिन की अवधि के भीतर संबंधित सक्षम अधिकारी से इसकी पुष्टि कराने के अधीन रहते हुए, संदेशों या तंदेशों के वर्ग के अपेक्षित अंतर्लङ्घ करने को कार्यान्वयित कर सकेंगा ।

॥३॥ उप नियम ॥१॥ के अधीन निदेश जारी करते समय अधिकारी, अन्य साधनों से जावश्यक सूचना अर्जित करने की संभाव्यता पर विचार करेगा और उपनियम ॥१॥ के अधीन निदेश केदल तब जारी किए जास्ती जब जानकारी को किसी अन्य द्विक्तयुक्त साधन से अर्जित करना संभव न हो ।

॥४॥ निदेशित अंतारोधन किसी संदेश या तंदेशों के वर्ग का अंतारोधन होगा जो किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग को या ते भेजे जाते हैं अथवा किसी विनिर्दिष्ट विषय से संबंधित हो या ऐसा तंदेश या तंदेशों का वर्ग, आदेश में विनिर्दिष्ट, एक या अधिक पतों पर प्राप्त होता है जो ऐसा पता या पते हैं जिसका/जिनका आदेश में विनिर्दिष्ट या दर्जि एक विशिष्ट व्यक्ति अथवा आदेश में विनिर्दिष्ट या वर्णित किसी विशिष्ट परितरों के लेट से या जो संसूचनाओं के प्रेषण में उपयोग किए जाने की संभावना है ।

४४। निदेशों में उस अधिकारी या प्राधिकारी का नाम और पदनाम विहित किया जास्ता जिसको अंतर्द्ध संदेश या संदेशों का वर्ग प्रकट किया जाना है और उसमें यह भी विहित किया जास्ता कि अंतर्द्ध संदेश या संदेशों के वर्ग का उपयोग उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा १२५ के उपर्युक्तों के अधीन रहते हुए किया जास्ता और अंतर्द्ध संदेश या संदेशों के वर्ग की प्रतियाँ नष्ट कर दी जास्ती जब उनकी आगे आवश्यकता न हो ।

४५। अंतर्द्ध करने के निदेश जारी करने के नब्बे दिन से अनाधिक की अवधि के लिए तब तक प्रवृत्त रहेंगे जब तक उन्हें पूर्व में विखाण्डत नहीं कर दिया जाता है और उनका नवीकरण किया जा सकता है फिरन्तु वे एक तौर पर अस्ती दिन की कुल अवधि के परे प्रवृत्त नहीं रहेंगे ।

४६। अंतर्द्ध करने के निदेशों को जारी करने वाला अधिकारी तार प्राधिकरण जो नियमित में भी अनुरोध करेगा जो निदेशों में उल्लिखित अंतर्द्ध करने के लिए सुविधासं और सहयोग देगा ।

४७। किती तंदेश या संदेशों के वर्ग को अंतर्द्ध करने के लिए प्राधिकृत अधिकारी उनका एक समुचित अभिलेख रखेगा जिसमें अंतर्द्ध संदेश या संदेशों का वर्ग, उन व्याज्ञयों की विशिष्टाओं जिनके संदेश अंतर्द्ध किए गए हैं, उस अधिकारी या प्राधिकारी के और अन्य विशिष्टाओं जिनको अंतर्द्ध तंदेश या संदेशों का वर्ग प्रकट किया गया है, अंतर्द्ध संदेश या तंदेशों के वर्ग की तैयार की गई प्रतियाँ की संख्या और वह ढंग या पद्धति जिसके द्वारा ऐसी प्रतियाँ तैयार की गई हैं, प्रतियाँ को नष्ट करने की तारीख और वह अवधि जिसके भीतर ऐसे निदेश प्रवृत्त रहते हैं, का उल्लेख किया जास्ता ।

॥८॥ यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार एक पुनर्विलोकन समिति का गठन करेंगी। केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित की जाने वाली पुनर्विलोकन समिति में निम्नलिखित होंगी, अथात् :-

१क०	मंत्रिमण्डल सचिव	....	अध्यक्ष
१ख०	सचिव, भारत सरकार, विधि कार्य विभाग का भारताधिक	....	सदस्य
१ग०	सचिव, भारत सरकार, दूरसंचार मंत्रालय	....	सदस्य

किसी राज्य सरकार द्वारा गठित की जाने वाली पुनर्विलोकन समिति में निम्नलिखित होंगी, अथात् :-

१क०	मुख्य सचिव	....	अध्यक्ष
१ख०	विधि सचिव/विधि परामर्शी	....	सदस्य
१ग०	सचिव, राज्य सरकार १ग० तचिव से भिन्न १	....	सदस्य

॥९॥ पुनर्विलोकन समिति निदेशों के जारी करने से साठ दिन की प्रकाशि के भीतर, स्वप्रेरणा से आवश्यक जांच और अन्वेषण करेंगी तथा अपने निष्कर्षों को लेखबद्ध करेंगी कि क्या उपनियम १॥१ के अधीन जारी किए गए निदेश अधिनियम की धारा ५ की उपधारा १॥२ के उपबंधों के अनुतार है। जब पुनर्विलोकन समिति की यह राय है कि निदेश ऊपर निर्दिष्ट उपबंधों के अनुतार नहीं है तो वह निदेशों को अपास्त कर तकेगी और अंतर्द्द संदेश या संदेशों के तर्ज के प्रतियों को नष्ट करने का आदेश दे सकेगी।

[फा. सं. 9-70/96-पी. एच. ए.]

एन. आर. मोखरीकाले, चरिष्ठ उप महानिदेशक (सीएस)  
और पदेन अपर सचिव

**पाद टिप्पणी:-** तारीख 1-9-1984 तक यथासंशोधित मूल नियम, डाक्टार निकेपिका, खंड 1, विधायी अधिनियमन, भाग 2, छठे संस्करण में प्रकाशित किए गए हैं और इनमें बाद में निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए हैं :-

1. सटो का० नि० 428, तारीख 27.4.1985
2. सटो का० नि० 729, तारीख 3.8.1985
3. सटो का० नि० 982, तारीख 19.10.1985
4. सटो का० नि० 553अ०, तारीख 27.3.1986
5. सटो का० नि० 314, तारीख 26.4.1986
6. सटो का० नि० 953अ०, तारीख 22.7.1986
7. सटो का० नि० 566, तारीख 26.7.1986
8. सटो का० नि० 112अ०, तारीख 28.11.1986
9. सटो का० नि० 167अ०, तारीख 28.11.1986
10. सटो का० नि० 1237अ०, तारीख 28.11.1986
11. सटो का० नि० 112अ०, तारीख 25.2.1987
12. सटो का० नि० 377अ०, तारीख 9.4.1987
13. सटो का० नि० 674अ०, तारीख 27.7.1987
14. सटो का० नि० 719अ०, तारीख 18.8.1987
15. सटो का० नि० 837अ०, तारीख 5.10.1987
16. सटो का० नि० 989अ०, तारीख 17.12.1987
17. सटो का० नि० 337अ०, तारीख 11.3.1988
18. सटो का० नि० 301अ०, तारीख 21.3.1988
19. सटो का० नि० 626अ०, तारीख 17.5.1988
20. सटो का० नि० 660अ०, तारीख 30.5.1988
21. सटो का० नि० 693अ०, तारीख 16.6.1988
22. सटो का० नि० 734अ०, तारीख 24.6.1988
23. सटो का० नि० 606, तारीख 14.8.1988
24. सटो का० नि० 812अ०, तारीख 26.7.1988
25. सटो का० नि० 888अ०, तारीख 1.9.1988

26. सरो कर्ता नि० ९८५ अ०, तारीख २०.१२.१९९०
27. सरो कर्ता नि० ९१६ अ०, तारीख ९.६.१९८८
28. सरो कर्ता नि० १९५४ अ०, तारीख ०२.११.१९८८
29. सरो कर्ता नि० १७९ तारीख १६.०२.१९८९
30. सरो कर्ता नि० ३५८ अ०, तारीख १५.०३.१९८९
31. सरो कर्ता नि० ६२२ अ०, तारीख १४.०६.१९८९
32. सरो कर्ता नि० ८६५ अ०, तारीख २९.०९.१९८९
33. सरो कर्ता नि० ४१३ अ०, तारीख २९.०३.१९९०
34. सरो कर्ता नि० ५७४ अ०, तारीख १५.०६.१९९०
35. सरो कर्ता नि० ९३३ अ०, तारीख ०३.१२.१९९०
36. सरो कर्ता नि० ७४ तारीख १७/१८-०१-१९९१
37. सरो कर्ता नि० ५६० अ०, तारीख २६.०५.१९९२
38. सरो कर्ता नि० ५४३ अ०, तारीख २७.०६.१९९४
39. सरो कर्ता नि० ५१६ अ०, तारीख २२.०६.१९९५
40. सरो कर्ता नि० ६९६ अ०, तारीख १०.१०.१९९५
41. सरो कर्ता नि० ८१८ अ०, तारीख २८.१२.१९९५
42. सरो कर्ता नि० ७९८ अ०, तारीख १७.०१.१९९६
43. सरो कर्ता नि० १३३ अ०, तारीख १५.०३.१९९६
44. सरो कर्ता नि० २५५ अ०, तारीख १७.०६.१९९६
45. सरो कर्ता नि० ४९९ अ०, तारीख ०४.१०.१९९६

— —

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 16th February, 1999

G. S. R. 123 (E).— In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885) and in supercession of notification of Government of India, Ministry of Communications, number GSR 260 (E) dated the 28th January, 1998, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely :-

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (First Amendment) Rules, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Telegraph Rules, 1951, after rule 419, the following rule shall be inserted, namely :-

"419A (1) Directions for interception of any message or class of messages under sub-section (2) of section 5 of the Indian Telegraph Act, 1885 (hereinafter referred to as the said Act) shall not be issued except by an order made by the Secretary to the Government of India in the Ministry of Home Affairs in the case of Government of India and by the Secretary to the State Government in charge of the Home Department in the case of a State Government. In emergent cases such order may be made by an officer, not below the rank of a Joint Secretary to the Government of India, who has been duly authorised by the Union Home

Secretary or the State Home Secretary, as the case may be. Such order shall contain reasons for such direction. A copy of such order shall be forwarded to the concerned Review Committee within a period of seven days :

Provided that in emergent cases, -

- (i) in remote areas, where obtaining of prior directions for interception of messages or class of messages is not feasible; or
- (ii) for operational reasons, where obtaining of prior directions for interception of messages or class of messages is not feasible

the officer concerned may carry out the required interception of messages or class of messages subject to its confirmation from the concerned competent officer within a period of fifteen days.

(2) While issuing directions under sub-rule (1) the officer shall consider possibility of acquiring the necessary information by other means and the directions under sub-rule (1) shall be issued only when it is not possible to acquire the information by any other reasonable means.

(3) The interception directed shall be the interception of any message or class of messages as are sent to or from any person or class of persons or relating to any particular subject whether such message or class of messages are received with one or more addresses, specified in the order, being an address or addresses likely to be used for the transmission of communications from or to one particular person specified or described in the order or one particular set of premises specified or described in the order

(4) The directions shall specify the name and designation of the officer or the authority to whom the intercepted message or

class of messages is to be disclosed and also specify that the use of intercepted message or class of messages shall be subject to the provisions of sub-section (2) of section 5 of the said Act and the copies of the intercepted message or class of messages shall be destroyed when no longer required.

(5) The directions for interception shall remain in force, unless revoked earlier, for a period not exceeding ninety days from the date of issue and may be renewed but same shall not remain in force beyond a total period of one hundred and eighty days.

(6) The officer issuing the directions for interception shall also make a request in writing to the Telegraph Authority who shall extend the facilities and cooperation for interception mentioned in the directions.

(7) The officer authorised to intercept any message or class of messages shall maintain proper records mentioning therein, the intercepted message or class of messages, the particulars of persons whose message has been intercepted, the name and other particulars of the officer or the authority to whom the intercepted message or class of messages has been disclosed, the number of copies of the intercepted message or class of messages made and the mode or the method by which such copies are made, the date of destruction of the copies and the duration within which the directions remain in force.

(8) The Central Government and the State Government, as the case may be, shall constitute a Review Committee. The Review Committee to be constituted by the Central Government shall consist of the following, namely :-

(a) Cabinet Secretary

..... Chairman

(b) Secretary to the Government of India  
Incharge, Legal Affairs ..... Member

(c) Secretary to the Government of India  
Ministry of Telecommunications ..... Member

The Review Committee to be constituted by a State Government shall consist of the following, namely :—

- (a) Chief Secretary ..... Chairman
- (b) Secretary Law/Legal Remembrancer .... Member
- (c) Secretary to the State Government  
(other than the Home Secretary) ..... Member

(9) The Review Committee within a period of sixty days from the issue of the directions shall suo moto make necessary enquiries and investigations and record its findings whether the directions issued under sub-rule (1) are in accordance with the provisions of sub-section (2) of section 5 of the Act. When the Review Committee is of the opinion that the directions are not in accordance with the provisions referred to above, it may set aside the directions and order for destruction of the copies of the intercepted message or class of messages.

[File No 9-70/96-P. H. A.]

N R MOKHARIWALE, Sr. Dy. Director General (CS)  
and Ex-Officio Addl. Secy.

**Foot Notes :-** The principal rules, as amended upto 01-09-1984 have been published in P&T Manual Vol.I, legislative enactments, Part II, Sixth edition and these have been subsequently amended as under:

1. G.S.R. 428 dated 27-04-1985
2. G.S.R. 729 dated 03-08-1985
3. G.S.R. 982 dated 19-10-1985
4. G.S.R. 553(E) dated 27-03-1986
5. G.S.R. 314 dated 26-04-1986
6. G.S.R. 953(E) dated 22.07.1986
7. G.S.R. 556 dated 26-07-1986
8. G.S.R. 1121(E) dated 28-11-1986
9. G.S.R. 167(E) dated 28-11-1986
10. G.S.R. 1237(E) dated 28-11-1986

11.	G.S.R.	112(E)	dated 25-02-1987
12.	G.S.R.	377(E)	dated 09-04-1987
13.	G.S.R.	674(E)	dated 27-07-1987
14.	G.S.R.	719(E)	dated 18-08-1987
15.	G.S.R.	837(E)	dated 05-10-1987
16.	G.S.R.	989(E)	dated 17-12-1987
17.	G.S.R.	337(E)	dated 11-03-1988
18.	G.S.R.	301(E)	dated 21-03-1988
19.	G.S.R.	626(E)	dated 17-05-1988
20.	G.S.R.	660(E)	dated 30-05-1988
21.	G.S.R.	693(E)	dated 16-06-1988
22.	G.S.R.	734(E)	dated 24-06-1988
23.	G.S.R.	606(E)	dated 14-08-1988
24.	G.S.R.	812(E)	dated 26-07-1988
25.	G.S.R.	888(E)	dated 01-09-1988
26.	G.S.R.	985(E)	dated 20-12-1990
27.	G.S.R.	916(E)	dated 09-09-1988
28.	G.S.R.	1054(E)	dated 02-11-1988
29.	G.S.R.	179	dated 16-02-1989
30.	G.S.R.	358(E)	dated 15-03-1989
31.	G.S.R.	622(E)	dated 14-06-1989
32.	G.S.R.	865(E)	dated 29-09-1989
33.	G.S.R.	413(E)	dated 29-03-1990
34.	G.S.R.	574(E)	dated 15-06-1990
35.	G.S.R.	933(E)	dated 03-12-1990
36.	G.S.R.	74	dated 17/18-01-1991
37.	G.S.R.	560(E)	dated 24-05-1992
38.	G.S.R.	543(E)	dated 27-06-1994
39.	G.S.R.	516(E)	dated 22-06-1995
40.	G.S.R.	696(E)	dated 10-10-1995
41.	G.S.R.	818(E)	dated 28-12-1995
42.	G.S.R.	79(E)	dated 17-01-1996
43.	G.S.R.	133(E)	dated 15-03-1996
44.	G.S.R.	255(E)	dated 17-06-1996
45.	G.S.R.	499(E)	dated 04-10-1996

